स्पंदन में माइम किया, डीजे ने किया परफॉर्म

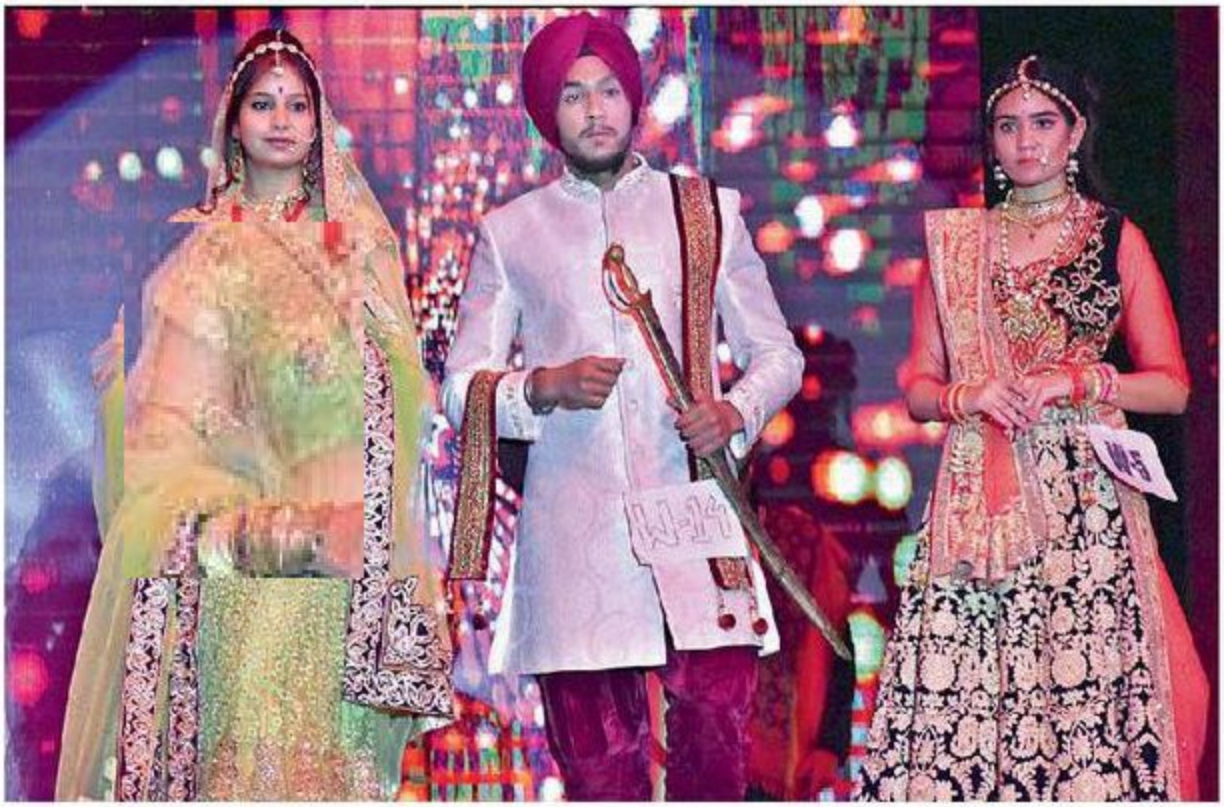

श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय के एनुअल फंक्शन स्पंदन 2018 का शनिवार को डीजे नाइट से समापन हुआ। डीजे रितवीज़ ने हाइवोल्टेज अंदाज में कई पॉपुलर नंबर प्ले किए। स्टूडेंट्स की फरमाइश पर उन्होंने फेमस सॉन्ग उड़ गए भी सुनाया।

सुबह के सेशन में टीवी शो डायरेक्टर अकरम खान ने स्टूडेंट्स को शॉर्ट फिल्म मेकिंग वर्कशॉप में निर्देशन की बारीकियां समझाईं। इसके अलावा स्टूडेंट्स ने माइम के सहारे अपने भावनाओं का इज़हार किया। ट्रेज़र हंट में 147 टीम के 650 स्टूडेंट्स ने हिस्सा लिया। फॉरेन्सिक डिपार्टमेंट की लाई डिटेक्टर विषय पर आयोजित वर्कशॉप में स्टूडेंट्स ने असत्य में छुपे सत्य की खोज की। 12 स्टूडेंट्स की कश्मकश में शाश्वत ने बाजी मारी। स्वरांजली प्रतियोगिता में 118 कांटेस्टेंट ने गीत सुनाए।

'स्पंदन-2018' में स्टूडेंट्स ने दिखाई क्रिएटीविटी, डीजे नाइट पर थिरके

इंदौर। श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय के तीन दिनी फेस्ट 'स्पंदन-2018' का शनिवार को समापन हुआ। शनिवार को अंतिम दिन होने के कारण सुबह से ही हर प्रतियोगिता में सभी विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। अंतिम दिन बारह प्रतियोगिताएं, दो कार्यशालाएं व अन्य खेलों का आयोजन किया गया। माईम में सात टीमें शामिल हुईं। वहीं शॉर्ट फिल्म मेकिंग कार्यशाला में देशभर से आए 54 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इसमें सब टीवी के धारावाहिक मालेगांव का चिंटू, चलती का नाम गाडी एवं रम्प पम्पपो जैसे धारावाहिकों का निर्देशन कर चुके अकरम खान ने स्टूडेंट्स को टिप्स दिए। ट्रेजर हंट में 147 टीमों में 650 स्टूडेंट्स ने हिस्सा लिया। फॉरेंसिक विभाग द्वारा भी 'लाई डिटेक्टर' पर वर्कशॉप रखी गई, जिसे डॉ. रमाकांत तिवारी ने संबोधित किया। रेडियो जॉकिंग में 12 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया जसमें शाश्वत पहले स्थान पर रहे। स्वरांजलि में कुल 118 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इसके लिए प्रतिभागियों का चुनाव ऑडिशन के जरिए किया गया था।

निर्णायक की भूमिका स्मिता धामले ने निभाई। रात में डीजे नाइट में डीजे रितवीज ने लाइव प्ले किया। डीजे रितवीज की धुनों पर 5 हजार स्टूडेंट्स के साथ शिक्षक भी थिरकते नजर आए।

श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय का रगांरंग कार्यक्रम...

तीन दिवसीय रगारंग कार्यक्रम 'स्पंदन' संपन्न

इंदौर।

श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय इन्दौर में तीन दिवसीय रगांरंग कार्यक्रम '' स्पन्दन'' 2018 का उदघाटन समारोह दिनांक 22 फरवरी 2018 को एयरपोर्ट डायरेक्टर सुश्री आर्यमा सनयाल के मुख्य आतिथ्य में किया गया। कार्यक्रम की शुरुवात सरस्वती वदंना व दीप प्रज्वलन से हुई। कार्यक्रम में पद्मश्री श्री प्रहलाद टिपाणिया लोक गायक (कबीर) भी विशेष अतिथि के रुप में उपस्थित थे। इस दौरान स्पन्दन के सयोंजक डॉ राजीव शुक्ला द्वारा कार्यक्रम की जानकारी दी गई।

उन्होने बताया स्पन्दन में कुल 64 से अधिक विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिता एवं खेलो का आयोजन किया गया है। जिसमें तीन हजार से अधिक प्रतिभागियों द्वारा देश के विभिन्न हिस्सों से नामांकन कराया। स्पन्दन को बढ़ावा देने के लिए इस कार्यक्रम को सोशल मिडिया पर प्रचारित किया गया। जिसमें एक लाख से अधिक विद्यार्थियों एवं आमजन तक इवेन्ट की खबरों को पहुचाया गया। इस कार्यक्रम में पहले दिन पांच हजार से अधिक विद्यार्थियो ने हिस्सा लिया एवं तीन हजार से अधिक प्रतिभागियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में अपनी कला का प्रदर्शन किया। शाम के मुख्य आयोजन में कामेडियन कौतुक श्रीवास्तव एवं आकाश मेहता ने अपने अंदाज से लोगो के गुदगुदाया वहीं फैशन शो 50 से अधिक प्रतिभागीयों ने अलग अलग थीम जैसे ट्रेडिशनल, हाईस्कूल आदि रुपों से लोगों का दिल जीता। इस दौरान कई और रचनात्मक प्रतियोगिताएं देखने को मिली जैसे शास्वत धर्माधिकारी द्वारा न्यूज पेपर से ड्रेस बनाना, मुस्कान वर्मा ने ग्रिटिंग कार्ड पर तिरंगे को नए अदांज में दर्शाया, डूडल एवं ग्राफ्टी में विद्यार्थियों ने पेंट ब्रश और पेंसिल के साथ अपनी कला का प्रदर्शन किया। वहीं ब्लागिंग और फाईन आर्टस जैसे विषयों पर वर्कशॉप का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दूसरे दिन ताल (डांस), निर्वाना (रॉक बैंड), रंगाकृति, काव्यांजली एवं नुक्कड नाटक का आयोजन होगा।

आयोजन के अंतिम दिन कुल बारह प्रतियोगिताएं, दो कार्यशालाएं व अन्य खेलों का आयोजन किया गया। जिसमें माईम में सात टीमों द्वारा भाग लिया गया। शॉर्ट फिल्म मेकिंग कार्यशाला में देश भर से आए चौपन विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यषाला में ''सब टी.वी.'' के धारावाहिक ''माले गांव का चिन्टू'' ''चलती का नाम गाडी'' एवं ''रम्प पम्पपो'' जैसे धारावाहिकों का निर्देषन कर चुके श्री अकरम खान द्वारा विद्यार्थियों को निर्देषित किया गया। इसी के साथ टेऊजर हंट प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें कुल 147 टीमों द्वारा भाग लिया गया। जिसमें लगभग 650 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीम को रुपये 2100/- का नगद पुरुस्कार दिया गया।

इसके बाद फोरेन्सीक विभाग द्वारा आयोजित एक कार्यषाला में 104 विद्यार्थियों द्वारा भाग लिया गया। जिसका की विषय ''लाई डिटेक्टर'' पर आधारित था। इस कार्यशाला में डॉ. रमाकान्त तिवारी विशेष अतीथि के रुप में उपस्थित थे। दूसरी ओर रेडियो जॉकिंग में षिवांगी अग्रवाल व प्रियंका दवे जज के रुप में उपस्थित हुए। इस प्रतियोगिता में 12 प्रतिभागियों द्वारा हिस्सा लिया गया। जिसमें शाश्वत प्रथम स्थान पर रहे।

शाम के आयोजनों में स्वराजंली (गायन) प्रतियोगिता में कुल 118 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। यह सभी प्रतिभागी देष भर के विभिन्न संस्थानों से ऑडिशन द्वारा चुने गए थे। इस प्रतियोगिता में निर्णायक के रुप में सुश्री स्मिता धामले मुकाशी उपस्थित हुई। इसके पश्चात डी.जे. नाईट का आयोजन हुआ जिसमें डी.जे. रितवीज् द्वारा डी.जे. प्ले किया गया। इनकी प्रस्तुतियों पर 5000 से अधिक विद्यार्थी व संस्था के शिक्षक भी थिरकते नजर आए। डी.जे. नाईट के साथ ही तीन दिवसीय रंगारंग कार्यक्रम का समापन हुआ।

कविताओं की दी प्रस्तुती

तीन दिवसीय रगांरंग कार्य म '' स्पन्दन'' 2018 के द्वितीय दिन खासा उत्साह देखने को मिला। दिन में होने वाली प्रतियोगिताओं में जहां एक ओर काव्याजंली में विद्यार्थियों ने अपनी स्वरचित कविताओं की प्रस्तुती दी, जमाने ने जो कुछ बोला मुझे वो सारे जजबात लिखूंगा मैं जिदंगी पर एक किताब लिखूगां। मैं चिख चिख कहती रही गले में मेरा दुपटटा था लेकिन बना दिया इन्होने एक गले का फन्दा है। महक वर्मा द्वारा कही गई यह कविता समाज में हो रहे लड़कियों के प्रति दूर व्यवहार का समाज की सोच को बताती है। इस आयोजन में हिन्दी के शिक्षाविद श्री ओम ठाकुर निर्णायक के रुप में उपस्थित थे।

नुक्कड नाटक की दी प्रस्तुती

वही दूसरी ओर विद्यार्थियों ने नुक्क ड नाटक की प्रस्तुती देते हुए नशा मुक्ति , केंसर जैसे गंभीर विषयों पर नुक्क ड प्रस्तुती दी। इसी के साथ फायरलेस कुकिंग, उक्ति (फेस पेटिंग), चित्रांग (रंगोली) जैसे कार्य म भी आयोजित किये गए। शाम को हुए कार्य मों में रॉक बैंड में भोपाल के रुह-अनप्लगड, थैवात की धुनो पर विद्यार्थियों संग शिक्षक भी थिरकते नजर आए। तो वही ताल जो कि डांस प्रतियोगिता जिसमें 26 प्रतिभागियों ने देश के विभिन्न संस्थानों का प्रतिनिधित्व करते हुए प्रतियोगिता में भाग लिया। इस दौरान लविश देवरा (सह संस्थापक टी.डी.वाय.), आकाश चौहान (डी.आई.डी. फेम मुस्कान शर्मा के कोरियोग्राफर) द्वारा विशेष प्रस्तुति दी गई। ताल में निर्णायकों के रुप में डॉ पूजा भटटाचार्य (डी.आई.डी. क्वालीफायर), रोहित अमेरिया एवं अंकित निर्मल उपस्थित थे। स्पन्दन के तीसरे और अतिंम दिन स्वरांजली (गायन प्रतियोगिता), डी.जे. नाईट, माईम, शार्ट फिल्म, रेडियो जॉकिंग, टेऊजर हन्ट कोलॉज मेकिंग जैसी आदि प्रतियोगिताएं आयोजित होगी।